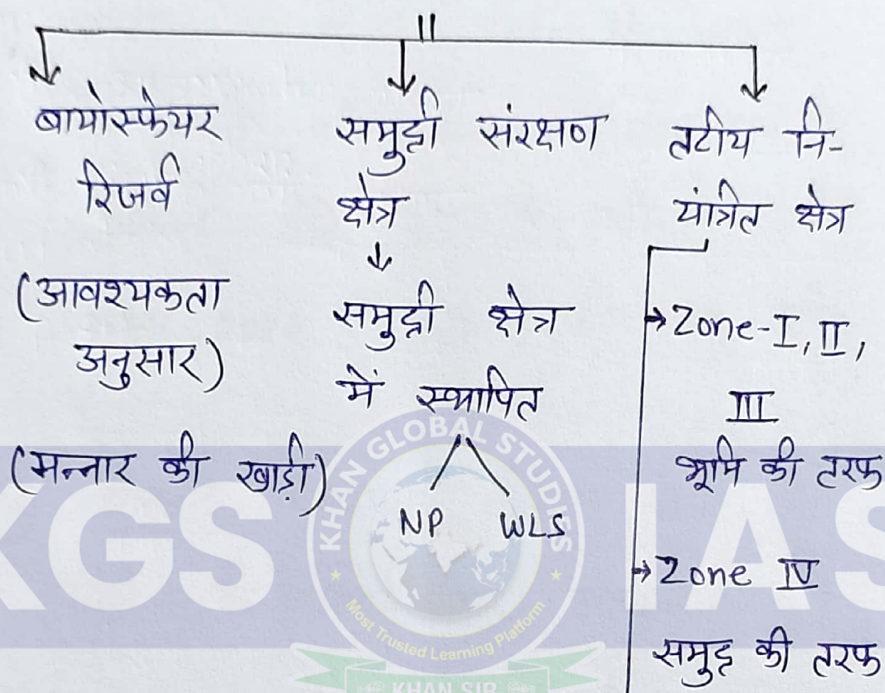


Marine Protected Area/Marine Ecosystem- समुद्री पारिस्थितिक तंत्र -

भारत में CRZ → (Coastal Regulation Zone)

① इन्हें पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों के तहत स्थापित किया जाता है।

② अधिसूचना केन्द्र सरकार के द्वारा जारी

की जाती है और लागू करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होती है।

③ पहली अधिसूचना, 1991 में जारी की गयी थी, समय-समय पर संशोधन होते रहे हैं। नवीनतम अधिसूचना, 2022 से लागू की जा रही है।

④ नवीनतम व्यवस्था शैलेस नायक समित्व की रिपोर्ट पर आधारित है।

⑤ 4 प्रकार के नियंत्रण क्षेत्र-

व) CRZ - I → सर्वाधिक संरक्षित तटीय क्षेत्र जो जैविक विविधता के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे कई क्षेत्र पहले से ही किसी संरक्षण क्षेत्र के अधीन आ सकते हैं,

जैसे- राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य या बायोस्फेयर रिजर्व। इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय महत्व की कुछ परियोजनाओं को छोड़कर किसी भी और गति-विधि की अनुमति नहीं होगी।

b) CRZ-II → ऐसे तटीय क्षेत्र जहाँ

पर पहले से ही शहरी विकास हो चुका है। इन क्षेत्रों में शहरी विकसित इलाकों के समुद्र तट के बीच के क्षेत्रों को संरक्षण दिया जाता है।

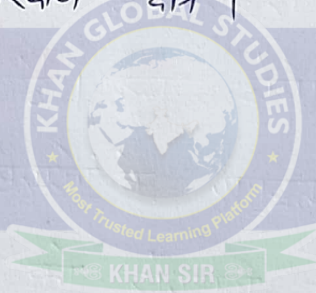
c) CRZ-III → ऐसे तटीय क्षेत्र जो

CRZ-II के लिए योग्य नहीं हैं और जहाँ पर शहरी विकास भी नहीं हुआ है। यहाँ पर उच्च ज्वारीय रेखा से 200 मीटर की

दूरी तक के क्षेत्र को कई प्रकार के संरक्षण प्राप्त हैं, इससे कम संरक्षण २०० से ५०० मीटर के क्षेत्र पर लागू होते हैं।

d) CRZ-IV → निम्न ज्वारीय रेखा से भारत के क्षेत्रीय जल सीमा तक का संरक्षण क्षेत्र।

KGS IAS



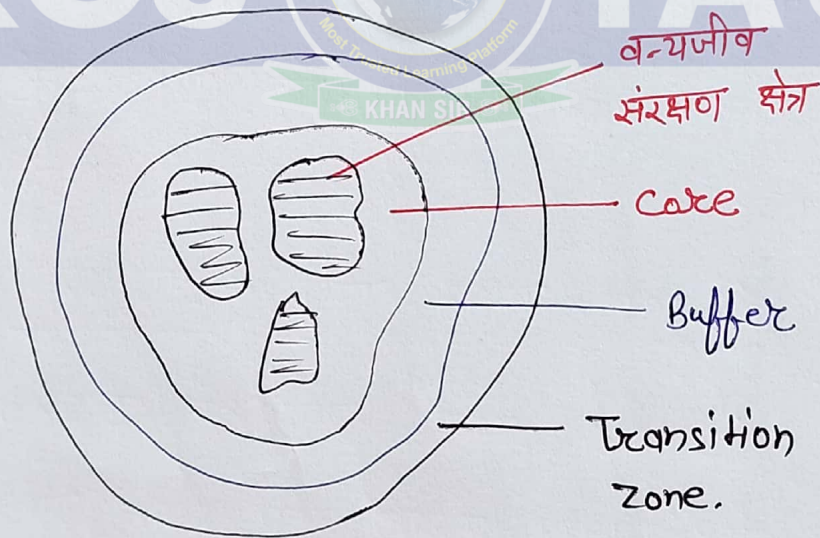
मैंगीव वन

Salt Leaf → लवण पत्तियों में एकत्र
होना

↓
पत्तियाँ गिर जाती हैं।

न्यूमेटोफोर → श्वसन के लिए विशेष
जड़।

Biosphere Reserve



Core - सर्वाधिक नियंत्रित

Buffer → प्रबंधित गतिविधियाँ ।

Transition → सहयोग से चल रही
गतिविधियाँ ।

- सबसे बड़ा Biosphere → रन ऑफ कच्छ

